गरवी गुजरात

RNI No.: UPHIN/25/A1697

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक:339
दि. 12.04.2026,
रविवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

महाराष्ट्र के तीन जिलों में भूकंप के हल्के झटके, कोई हताहत नहीं

मुंबई,एजेंसी। महाराष्ट्र के तीन जिलों हिंगोली, नांदेड़ और परभणि में शनिवार को सुबह करीब आठ बजे भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी ने इस भूकंप की तीव्रता 4.7 मापी है। भूकंप का केंद्र हिंगोली जिले के वसमत तहसील के शिरली गांव में ज़मीन से 10 किलोमीटर नीचे था। इन तीनों जिलों में प्रशासन अभी भूकंप से हुए नुकसान का आकलन कर रहा है।

नांदेड जिले प्राशसनिक एक अधिकारी ने बताया कि भूकंप के झटके पड़ोसी नांदेड़ जिले के अर्धापुर, हदगांव और हिमायत नगर तहसील में तथा परभणी जिले के कुछ हिस्सों में भी महसूस किए गए। हालांकि, प्रभावित जिलों में से अब तक किसी के घायल होने की कोई खबर नहीं है, लेकिन इमारतों को मामूली नुकसान पहुंचने की खबरें ज़रूर आई हैं। नागरिकों से शांत रहने और सुरक्षा नियमों का पालन करने की अपील की है। अधिकारी ने यह भी कहा कि एहतियात के तौर पर इन तीनों जिलों में इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीमों को तैयार रखा गया है।

हिंगोली के जिलाधिकारी राहुल गुप्ता ने मीडिया को बताया कि उनके जिले पांगरा शिंदे गांव में घरों और कम्युनिटी हॉल में दरारें पडने की कुछ तस्वीरें मिली हैं। जिला प्रशासन मौके पर जायजा ले रहा है। गुप्ता ने लोगों को अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है। नांदेड़ जिला प्रशासन ने कहा कि अगर आगे और झटके महसूस हों या कोई अजीब आवाज़ सुनाई दे, तो लोग तुरंत खुली जगह पर चले जाएं और इमरजेंसी हेल्पलाइन पर कॉल करके प्रशासन को जानकारी दें।

गगनयान मिशन का दूसरा क्रू मॉड्यूल टेस्ट सफल

चिनूक हेलिकॉप्टर से 3 किमी ऊंचाई से छोड़ा गया; पैराशूट के साथ समुद्र में सेफ लैंडिंग

श्रीहरिकोटा,एजेंसी। भारत के पहले मानव अंतरिक्ष मिशन गगनयान की तैयारी में बड़ी कामयाबी मिली है। ISRO ने शुक्रवार को दूसरा इंटीग्रेटेड एयर ड्रॉप टेस्ट (IADT-1) सफलतापूर्वक पूरा किया।

यह टेस्ट गगनयान मिशन के लिए तैयार किए गए पैराशूट सिस्टम की असली परिस्थितियों की जांच करने के लिए किया गया। इसका मकसद गगनयान मिशन से पहले पैराशूट खुलने के प्रोसेस को चेक करना था। ये प्रोसेस मिशन के समय अंतरिक्ष यात्रियों की सुरक्षित वापसी तय करेगा। टेस्ट के दौरान लगभग 5.7 टन वजनी डमी क्रू कैप्सूल को वायुसेना के चिनूक हेलिकॉप्टर से 3 किमी की ऊंचाई से छोड़ा गया। कैप्सूल ने समुद्र में सेफ लैंडिंग की। पिछले 8 महीनों में क्रू कैप्सूल का यह दूसरा एयर ड्रॉप टेस्ट है। पहला टेस्ट 24 अगस्त 2025 को किया गया था।

2027 में शुभांशु समेत पायलट अंतरिक्ष जाएंगे : गगनयान ISRO का ह्यूमन स्पेस मिशन है। इसके तहत 2027 में स्पेसक्राफ्ट से वायुसेना के तीन पायलट्स को स्पेस में भेजा जाएगा। ये पायलट 400 किमी के ऑर्बिट पर 3 दिन रहेंगे, जिसके बाद हिंद महासागर में स्पेसक्राफ्ट की लैंडिंग कराई जाएगी। मिशन की लागत करीब 20,193 करोड़ रुपए है। गगनयान मिशन के लिए अभी वायुसेना के चार पायलट्स को चुना गया है, जिनमें से एक ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला हैं।

शुभांशु इसीलिए एक्सियम मिशन के तहत इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन गए थे।

गगनयान के जरिए पायलट्स को स्पेस में भेजने से पहले इसरो दो खाली टेस्ट फ्लाइट भेजेगा। तीसरी फ्लाइट में रोबोट को भेजा जाएगा। इसकी सफलता के बाद चौथी फ्लाइट में इंसान स्पेस पर जा सकेंगे। पहली टेस्ट फ्लाइट इस साल के अंत तक भेजी जा सकती है।

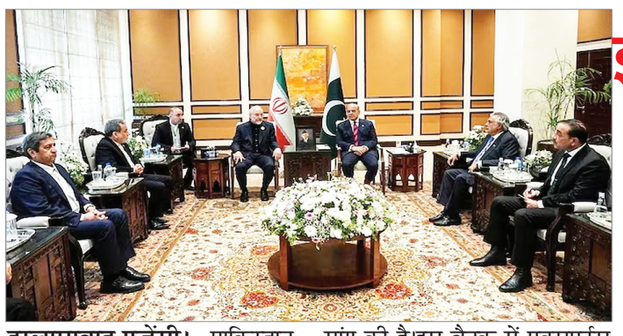

ईरान-अमेरिका सीजफायर वार्ता का पहला दौर खत्म

47 साल बाद दोनों देशों की आमने-सामने बातचीत

ईरान की मांग- लेबनान पर तुरंत हमले बंद हों

इस्लामाबाद,एजेंसी। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में ईरान और अमेरिका के बीच जारी सीजफायर वार्ता का पहला राउंड 2 घंटे तक चला। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस दौरान ईरान ने लेबनान पर तुरंत इजराइली हमले रोकने की मांग की है।इस बैठक में एक्सपर्ट्स ने सुरक्षा, राजनीति, सेना, अर्थव्यवस्था और कानून से जुड़े मुद्दों पर बात की। अमेरिका की तरफ से उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, जबकि ईरान की तरफ से संसद स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने नेतृत्व किया।47 साल पहले यानी 1979 में ईरान की इस्लामिक क्रांति के बाद ये पहली बार था जब दोनों देश के नेताओं ने इतने बड़े स्तर पर आमने-सामने बातचीत की।इससे पहले ईरान ने कहा था कि अगर इस्लामाबाद में चल रही बातचीत किसी नतीजे पर नहीं पहुंची, तो सिर्फ इजराइल को दोष नहीं दिया जा सकता। इजराइल और अमेरिका के फैसले जुड़े हैं, इसलिए वार्ता फेल होने पर जिम्मेदारी अमेरिका पर भी होगी।

लेबनान के प्रधानमंत्री ने अपना अमेरिकी दौरा रद्द किया: लेबनान के प्रधानमंत्री नवाफ सलाम ने अपना अमेरिका दौरा रद्द कर दिया है।

बंगाल चुनाव-2026:

कटवा रैली में प्रधानमंत्री का सीएए लागू करने और घुसपैठ रोकने का वादा

कोलकाता//तिरुवनंतपुरम, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज पश्चिम बंगाल में हैं। उन्होंने पूर्व वर्धमान जिले के कटवा और मुर्शिदाबाद के जंगीपुर में चुनावी रैलियों को संबोधित किया। पीएम ने पूर्व वर्धमान में कहा- बंगाल बदलाव के लिए तैयार है। यहां की महान विरासत पर टीएमसी ने पिछड़ेपन का दाग लगाकर पाप किया है।

पीएम ने कहा- बीजेपी ने बंगाल को विकास की नई ऊंचाई पर ले जाने का संकल्प लिया है। हमने कल ही घोषणापत्र जारी किया, इसमें 6 गारंटियां हैं। मोदी की गारंटी टीएमसी की निर्मम सरकार के भय राज को हटाके भरोसे में बदलने की है।

मुर्शिदाबाद में मोदी ने कहा- आजादी के बाद से, बंगाल को चुनौती देने की हिम्मत करने वाले हर व्यक्ति का अहंकार चकनाचूर हो गया है। पहले अंग्रेजों का, फिर कांग्रेस का, और अंत में वामपंथियों का अहंकार भी

चकनाचूर हो गया। अब बंगाल की जनता टीएमसी के अहंकार को चकनाचूर कर देगी।

असम के श्रीभूमि जिले में करीमगंज (उत्तर) विधानसभा क्षेत्र के 239-बेबीलैंड हाई इंग्लिश स्कूल मतदान केंद्र पर दोबारा वोटिंग हुई। सुबह 7 बजे से शुरु हुई वोटिंग शाम 5 बजे तक चली।

9 अप्रैल को यहां पर भाजपा और कांग्रेस समर्थकों के झगड़ा हुआ था। इसके बाद अधिकारियों ने दोबारा चुनाव कराने का आदेश जारी किया था। इस सीट से 14 उम्मीदवार मैदान में हैं।

भाजपा की सरकार बनी, तो 'सिंडिकेट राज' खत्म करेंगे, घुसपैठियों को खदेड़ेंगे : अमित शाह

कोलकाता,एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल के बांकुड़ा जिले के ओंडा-विष्णुपुर क्षेत्र में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए राज्य की ममता बनर्जी सरकार पर हमला बोला। उन्होंने 'सिंडिकेट राज', भ्रष्टाचार और घुसपैठ जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाते हुए दावा किया कि भाजपा की सरकार बनने पर इन समस्याओं का स्थायी समाधान किया जाएगा।सभा को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि राज्य में हर स्तर पर सिंडिकेट का प्रभाव है। चाहे वह निर्माण कार्य हो या रोजमर्रा की जरूरतें। उन्होंने आरोप लगाया कि इससे आम जनता को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने जनता से 23 अप्रैल को कमल के निशान पर वोट देने की अपील करते हुए कहा 'प्रचंड बहुमत से भाजपा को जिताइए, हम बंगाल से सिंडिकेट राज को समाप्त कर देंगे।' अमित शाह ने बांकुड़ा क्षेत्र के विकास को लेकर भी राज्य सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि पिछले 15 वर्षों में इस इलाके की उपेक्षा हुई है, जिसके कारण युवाओं को रोजगार की तलाश में पलायन करना पड़ा। साथ ही किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने आश्वासन दिया कि भाजपा सरकार बनने पर विष्णुपुर में औद्योगिक क्षेत्र स्थापित किया जाएगा और क्षेत्रीय विकास को गति दी जाएगी।

114 नए राफेल स्वदेशी मिसाइलों से लैस होंगे

18 जेट फ्रांस में, 96 भारत में बनेंगे

कंपनी ने सोर्स कोड देने से इनकार किया

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत फ्रांस से 114 नए राफेल फाइटर जेट खरीद रहा है। 18 जेट फ्रांस में, 96 भारत में बनेंगे। इन जेट्स को स्वदेशी मिसाइलों और हथियार सिस्टम से लैस किया जाएगा।

एचटी की रिपोर्ट के मुताबिक, इंटरफेस कंट्रोल डॉक्यूमेंट (ICD) के जरिए राफेल जेट और स्वदेशी हथियार आपस में कैसे जुड़ेंगे यह तय किया जाएगा।

रक्षा मंत्रालय अगले महीने राफेल फाइटर जेट बनाने वाली फ्रांसीसी कंपनी डसॉल्ट एविएशन को रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल (RFP) जारी करेगा। इसके बाद कॉन्ट्रैक्ट पर बातचीत शुरू होगी। इस सौदे को फेंस एक्विजिशन काउंसिल (DAC) ने 12 फरवरी को मंजूरी दी थी।

114 में से 18 राफेल

जेट्स फ्रांस से फ्लाई-अवे कंडीशन में मिलेंगे। बाकी 96 जेट्स भारत में बनाए जाएंगे, जिसमें 25% कलपुर्जे स्वदेशी होंगे।

फ्रांस सोर्स कोड शेयर नहीं करेगा रिपोर्ट्स में कहा गया कि फ्रांस सोर्स कोड देने को तैयार नहीं है। अधिकारियों के मुताबिक, कोई भी देश अपने फाइटर जेट का सोर्स कोड साझा नहीं करता। यही कोड रडार, इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर, टारगेट ट्रैकिंग और हथियार सिस्टम को कंट्रोल करता है, इसलिए इसे साझा नहीं किया जाता। हालांकि, डील पर इसका असर नहीं है।

वृंदावन हादसा-

11 श्रद्धालुओं की मौत, 4 लापता

● **यमुना से बेटे की लाश निकली तो बुजुर्ग पिता रो पड़ा; 250 गोताखोर रेस्क्यू में जुटे**

मथुरा,एजेंसी। मथुरा के वृंदावन में नाव हादसे में 11 श्रद्धालुओं की मौत हो चुकी है। अब तक 22 लोगों को रेस्क्यू किया गया है। अभी 4 लोग लापता हैं। शनिवार को दूसरे दिन भी रेस्क्यू ऑपरेशन चल रहा है। आर्मी समेत 250 लोगों की टीम रेस्क्यू ऑपरेशन में लगी हुई है। 14 किमी के दायरे में लापता लोगों की तलाश की जा रही है। एक शव देवरहा बाबा घाट के पास से बरामद किया गया। बेटे की लाश देखकर बुजुर्ग पिता रो पड़े। परिवार वालों ने उन्हें ढांढस बंधाया। बाकी लापता अब तक क्यों नहीं मिल पाए? इस सवाल पर रेस्क्यू में जुटे अफसर ने बताया कि यमुना का बहाव तेज है, इसलिए लोग बहकर दूर जा सकते हैं। नदी में गाद (कीचड़) और रेत में शव दबे हो सकते हैं। 24 घंटे बाद शव फूलकर ऊपर आ सकते हैं।

हादसा शुक्रवार दोपहर 3 बजे केसी घाट पर हुआ, जहां 37 श्रद्धालुओं से भरी नाव पलट गई थी। घाट बांके बिहारी मंदिर से करीब 2 किमी दूर है।

मृतकों में मां-बेटे, चाचा-चाची और बुआ-फूफा समेत एक ही परिवार के 7 लोग शामिल हैं।

जिस जगह हादसा हुआ, वहां 25 फीट गहरा पानी है। शुरुआती जांच से पता चला है कि नाव की क्षमता 40 श्रद्धालुओं की थी।

'शांति से 15,000 देते रहो, खुश रहो'

सुप्रीम कोर्ट ने पत्नी से 16 साल से अलग रह रहे पति से कहा, तलाक देने से इनकार

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने 16 साल से पत्नी से अलग रह रहे 54 साल के एक व्यक्ति को तलाक देने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि वह अपनी पत्नी को 15,000 मासिक गुजारा भत्ता देता रहे और अगर तलाक चाहिए तो स्थायी गुजारा भत्ते का ठोस प्रस्ताव दे।

जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने सुनवाई के दौरान कहा कि 15,000 आज के समय में बहुत कम राशि है। कोर्ट ने साफ कहा, 'शांति से 15,000 देते रहो, खुश रहो।' इससे पहले हाईकोर्ट ने भी इस व्यक्ति की तलाक याचिका खारिज कर दी थी। पति-पत्नी के बारे में ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है।

कोर्ट ने गुजारा भत्ता तय करने के लिए समय दिया : कोर्ट ने यह भी कहा कि पति ने क्रूरता का जो आधार बताया है, वह सिर्फ इतना है कि पत्नी चाहती थी कि वह जहां भी पोस्टेड हो, उसके साथ रहे। इस पर कोर्ट ने सवाल किया, इसमें दिक्कत क्या है।

ज्योतिराव फुले की 200वीं जयंती:

राष्ट्रपति समेत कई नेताओं ने किया नमन पीएम बोले- उनके विचार आज भी मार्गदर्शक

नई दिल्ली,एजेंसी। महान समाज सुधारक ज्योतिराव फुले की 200वीं जयंती के अवसर पर संसद भवन परिसर स्थित प्रेरणा स्थल पर देश के शीर्ष नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी प्रेरणा स्थल पहुंचकर महात्मा फुले को पुष्प अर्पित किए और उन्हें नमन किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी महात्मा फुले को पुष्पांजलि अर्पित की और उनके समाज सुधार के योगदान को याद किया।

पीएम मोदी ने बताया- फुले आज भी प्रेरणा स्रोत :पीएम मोदी ने अपने संदेश में कहा कि महात्मा फुले केवल इतिहास का हिस्सा नहीं, बल्कि आज भी भारत के

भविष्य के मार्गदर्शक हैं। उन्होंने कहा कि फुले ने अपना जीवन समानता, न्याय और शिक्षा के लिए समर्पित किया और महिलाओं व वंचित वर्गों के अधिकारों के लिए संघर्ष की मजबूत नींव रखी।

बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से 2.49 लाख हेक्टेयर में रबी फसलों को नुकसान, गेहूं सबसे ज्यादा प्रभावित

नई दिल्ली,एजेंसी। बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से 8 अप्रैल तक 2.49 लाख हेक्टेयर में खड़ी रबी फसलों को नुकसान पहुंचा है। इसमें गेहूं की खेती सबसे अधिक प्रभावित हुई है। आम और लीची जैसी बागवानी फसलों को भी नुकसान हुआ है। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को कहा, मोदी सरकार इस संकट में किसानों के साथ मजबूती से खड़ी है। 5 अप्रैल को अधिकारियों को प्रभावित राज्यों में नुकसान की समीक्षा करने और प्रदेश सरकारों के साथ समन्वय करने का निर्देश दिया था। तीन विभागों की ओर से इस नुकसान की समीक्षा की जा रही है। राज्य सरकारों से भी तुरंत नुकसान का आकलन करने को कहा गया है। इसके अलावा, प्रभावित क्षेत्रों के कृषि मंत्रियों से भी बातचीत की गई है।

संकट के बीच उर्वरकों की सुचारू आपूर्ति सुनिश्चित कर रहा केंद्र: मध्यप्रदेश के रायसेन जिले में उन्नत कृषि महोत्सव शुरू होने से पूर्व चौहान ने कहा, सरकार वैश्विक कीमतों में उतार-चढ़ाव से बचने के लिए उर्वरकों की सुचारू आपूर्ति सुनिश्चित कर रही है।

चारधाम यात्रा 2026: 14.5 लाख से अधिक पंजीकरण, केदारनाथ धाम सबसे आगे

देहरादून,एजेंसी। उत्तराखंड में आगामी चारधाम यात्रा-2026 को लेकर श्रद्धालुओं में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। चारधाम और हेमकुंड साहिब यात्रा के लिए अब तक कुल 14,54,897 श्रद्धालुओं ने पंजीकरण करा लिया है। इनमें केदारनाथ धाम के लिए सर्वाधिक पंजीकरण दर्ज किए गए हैं।

पर्यटन विभाग के अनुसार शुक्रवार शाम पांच बजे तक केदारनाथ के लिए 4,95,173 श्रद्धालुओं ने पंजीकरण कराया है। इसके बाद बद्रीनाथ के लिए 4,29,416, गंगोत्री के लिए 2,62,485 और यमुनोत्री के लिए 2,55,609 पंजीकरण दर्ज किए गए हैं। वहीं हेमकुंड साहिब के लिए अब तक 12,214 श्रद्धालुओं ने पंजीकरण कराया है।

राज्य के विभिन्न ऑफलाइन पंजीकरण केंद्रों हरिद्वार, ऋषिकेश, नयागांव, हर्बर्टपुर और ऋषिकेश ट्रांजिट कैंप पर आज कोई नया पंजीकरण दर्ज नहीं हुआ। हालांकि, ऑफलाइन पंजीकरण 17 अप्रैल से शुरू किया जाएगा, जबकि ऑनलाइन पंजीकरण 6 मार्च से लगातार जारी है।

यात्रा कार्यक्रम के अनुसार गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के कपाट 19 अप्रैल को खोले जाएंगे। इसके बाद केदारनाथ धाम के कपाट 22 अप्रैल को खुलेंगे, जबकि बद्रीनाथ धाम के कपाट 23 अप्रैल को श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए जाएंगे।

राज्य सरकार और पर्यटन विभाग यात्रा व्यवस्थाओं को सुचारु, सुरक्षित और श्रद्धालु-अनुकूल बनाने के लिए तैयारियों में जुटे हुए हैं। यात्रा मार्गों, स्वास्थ्य सेवाओं, सुरक्षा व्यवस्था और पंजीकरण प्रणाली को सुदृढ़ किया जा रहा है, ताकि देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

मुंबई में गैस की कालाबाजारी पर बड़ी कार्रवाई

अवैध रूप से रखे गए 451 एलपीजी सिलिंडर किए गए जब्त

मुंबई,एजेंसी। मुंबई में आवश्यक वस्तुओं की कालाबाजारी के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई में की गई है। राशनिंग विभाग ने एलपीजी सिलेंडरों के अवैध भंडारण और परिवहन से जुड़े एक गिरोह का भंडाफोड़ किया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। कुल 451 एलपीजी सिलिंडर बरामद किए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि डोंगरी के वाडी बंदर क्षेत्र में चलाए गए इस अभियान के दौरान 40 लाख रुपये से अधिक का सामान जब्त किया गया और आठ वाहनों को रोका गया। अधिकारियों के अनुसार, यह कार्रवाई राशनिंग नियंत्रक और नागरिक आपूर्ति निदेशक को प्राप्त गोपनीय खुफिया जानकारी के आधार पर शुरू की गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए, तत्काल विशेष निर्देश जारी किए गए, जिसके बाद विभाग के फ्लाइंग स्क्वाड ने एक सुनियोजित अभियान चलाया। डोंगर में वाडी बंदर पुल के पास की गई छापेमारी के दौरान, अधिकारियों ने गैस सिलिंडरों की अवैध ढुलाई कर रहे आठ वाहनों को रोका।

अनुमानित मूल्य लगभग 40.61 लाख रुपये: जब्त किए गए सिलिंडरों और वाहनों का कुल अनुमानित मूल्य लगभग 40.61 लाख रुपये है। अधिकारियों के अनुसार, इन सिलिंडरों को वैध दस्तावेजों के बिना ले जाया जा रहा था और इनका उपयोग काला बाजार या अवैध आपूर्ति के लिए किया जाना था।

संपादकीय

युद्धविराम 'वेंटिलेटर' पर

अमरीका-ईरान में युद्धविराम 'वेंटिलेटर' पर है। जिंदा है, सांस चल रही है, लेकिन कभी भी दम तोड़ सकता है। यह युद्धविराम के मात्र दो दिन का सारांश है। यदि इन दोनों देशों के बीच शांति-समझौता नहीं हो पाया अथवा युद्धविराम 'ईमानदार' ही नहीं रहा, तो उसके बाद 'महाविनाश का युद्ध' लगभग तय मानना चाहिए, क्योंकि अमरीका के विराट युद्धपोत, लड़ाकू विमान, मिसाइलें, ड्रोन समेत सैनिक मध्य-पूर्व में ही मौजूद हैं। युद्धविराम के कुछ ही घंटों में इजरायल ने लेबनान के कुछ शहरों में, 10 मिनट के अंतराल में ही, करीब 160 बम बरसाए, नतीजतन 303 से अधिक मासूम, बेगुनाह लोग मारे गए और 1500 से अधिक घायल हुए। इनके अलावा, बहुमंजिला इमारतें ध्वस्त कर दी गईं। यह सरकारी डाटा है। लेबनान की सडक़ों पर हृदयविदारक चीख-पुकार ने मन के भीतर बार-बार सवाल पैदा किए कि प्रधानमंत्री नेतन्याहू 'सामूहिक नरसंहार' पर आमादा क्यों हैं? क्या वह मनुष्य नहीं हैं? अथवा एक राक्षस ने मनुष्य का मुखौटा पहन रखा है? यदि ऐसे नरसंहारों के प्रभाव में नेतन्याहू चुनाव जीत कर फिर प्रधानमंत्री बन जाते हैं, तो मानवता उस पर थूकती है। वक्त इस हत्यारे का भी आएगा, जब लाश बनने में कुछ पल ही लगेंगे! इजरायल भारत का मित्र-देश है, लेकिन भारत नरसंहारों को कभी भी समर्थन नहीं देता। सवाल यह नहीं है कि युद्धविराम की परिधि में लेबनान है या नहीं है।

चिंता और सरोकार यह है कि इस नरसंहार के बाद युद्धविराम 'वेंटिलेटर' पर पहुंच गया है। ईरान तिलमिला उठा है। ईरानी संसद के स्पीकर कालीबाफ का मानना है कि युद्धविराम के 10 सूत्रों में से 3 सूत्रों का घोर उल्लंघन हुआ है, लिहाजा किसी शांति-वार्ता या समझौते का कोई मतलब नहीं रहा है। ईरान का आरोप है कि अमरीका इजरायल के जरिए जंग में है और जंगबंदी का ऐलान किया गया है। ईरान के परमाणु कार्यक्रम, खासकर यूरेनियम के संवर्धन और अंततः परमाणु शक्ति सम्पन्न देश बनने के सबसे अहम मुद्दे पर अमरीका-ईरान के दरमियान विरोधाभास पूर्ववत हैं। ईरान परमाणु कार्यक्रम को अपना संप्रभु अधिकार मानता है, जबकि अमरीका उसका संवर्धित यूरेनियम नष्ट कर देना अथवा उसे अपने देश ले जाने पर आमादा है। क्या यही युद्धविराम की आधार-स्थिति है? क्या राष्ट्रपति ट्रंप दुनिया के 'लठैत चौधरी' हैं? इसके अलावा, होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग इतनी देर ही खुल पाया कि तेल-गैस का एक ही टैंकर गुजर पाया। ईरान ने लेबनान नरसंहार के बाद होर्मुज को फिर बंद कर दिया है और युद्धविराम से बाहर आने के संकेत भी दिए हैं। ईरान युद्ध के 40 दिनों में वैश्विक स्तर पर 590 अरब डॉलर (करीब 49 लाख करोड़ रुपए) का नुकसान आंका गया है। ईरान के 13 लाख करोड़ रुपए बर्बाद हो चुके हैं। ईरान के पुनर्निर्माण में 10 साल से अधिक का समय लगेगा। वहां करीब 120 फीसदी मुद्रास्फीति है और करीब 4 करोड़ लोग गरीबी-रेखा के नीचे जा सकते हैं। ईरान की जीडीपी में करीब 20 फीसदी तक गिरावट संभव है और तेल-निर्यात अवरुद्ध होने से उसे 33,000 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। ऊर्जा की कीमतों में उछाल से 30 से अधिक बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देश भी दबाव में हैं। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक और संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी की चेतावनी है कि युद्ध के कारण विश्व में ऊर्जा ही नहीं, खाद्य संकट भी गहरा सकता है। भारत को भी ईरान युद्ध के चौतरफा नुकसान झेलने पड़े हैं।

भ्रष्टाचार कोविड महामारी या कैंसर से भी अधिक खतरनाक बीमारी है

क्योंकि यह धीरे-धीरे पूरे तंत्र को अंदर से खोखला कर देता है

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

भारत में भ्रष्टाचार के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की ऐतिहासिक कार्रवाई -एक जिले की एक तहसील में 18 पटवारी भ्रष्टाचार में फंसे- तहसीलदार पहले ही जेल में- प्रशासनिक ढांचे के लिए एक निर्णायक संदेश- समग्र विश्लेषण

भारत में पटवारी स्तर से लेकर उच्च अधिकारी लेवल तक संभावित मिलीभगत चैनल को, ईमानदार अधिकारियों द्वारा हिम्मत दिखाकर तोड़ना समय की मांग

वैश्विक स्तरपर भारत जैसे विशाल लोकतांत्रिक देश में शासन- प्रशासन की विश्वसनीयता का सबसे महत्वपूर्ण आधार जनता का विश्वास होता है।जब यह विश्वास कमजोर पड़ता है,तब केवल व्यवस्था ही नहीं,बल्कि लोकतंत्र की आत्मा भी आहत होती है। हाल ही में संसद के दोनों सदनों द्वारा इसी पृष्ठभूमि में पारित जन विश्वास (संशोधन प्रावधान) अधिनियम, 2026 एक ऐतिहासिक और संरचनात्मक सुधार के रूप में सामने आया है।यह केवल एक विधायी परिवर्तन नहीं,बल्कि शासन की सोच में बदलाव का प्रतीक है,जहां दंड आधारित नियंत्रण से हटकर विश्वास आधारित अनुपालन की दिशा में कदम बढ़ाया गया है।परंतु मेरे 45 साल के मीडिया अनुभव व 15 साल के अधिवक्ता अनुभव में शायद पहली बार हाल ही में मध्य प्रदेश के श्योपुर जिला में सामने आया बाढ़ राहत घोटाला इसी विश्वास पर एक गंभीर प्रहार था,लेकिन उससे भी अधिक महत्वपूर्ण यह है कि इस मामले में जिस प्रकार की कठोर और व्यापक प्रशासनिक कार्रवाई की गई,उसने पूरे देश में एक नई उम्मीद जगाई है। यह घटना केवल एक सटीक घोटाले की कहानी नहीं है, बल्कि यह उस निर्णायक मोड़ का संकेत है जहां से भारत में भ्रष्टाचार के विरुद्ध वास्तविक और प्रभावी लड़ाई की शुरुआत हो सकती है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि इस पूरे मामले में सबसे सराहनीय भूमिका जिला कलेक्टर की रही, विशेष रूप से उनके द्वारा दिखाई गई दृढ़ इच्छाशक्ति की। कलेक्टर ने न केवल इस घोटाले की गहन जांच करवाई,बल्कि 18 पटवारियों के खिलाफ अभियोजन की मंजूरी देकर एक स्पष्ट संदेश दिया कि भ्रष्टाचार के प्रति कोई नरमी नहीं बरती जाएगी। यह निर्णय केवल एक प्रशासनिक कार्रवाई नहीं, बल्कि एक नैतिक घोषणा थी कि अब व्यवस्था में ईमानदारी को प्राथमिकता दी जाएगी। इसके साथ ही विभागीय जांच के आदेश और नौकरी से बर्खास्तगी की सिफारिश ने यह सुनिश्चित किया कि दोषियों को हर स्तर पर जवाबदेह ठहराया जाएगा। पूरे भारतवर्ष में अनेकों सरकारी कर्मचारियों पर कुछ अपवाद छोड़कर अगर हम संज्ञान लें तो एक सामाजिक पहलू भी है, जिस पर ध्यान देना आवश्यक है।अक्सर देखा जाता है कि सरकारी कर्मचारियों की जीवनशैली उनके आधिकारिक वेतन से कहीं अधिक उच्च होती है, जिससे यह संदेह उत्पन्न होता है कि अतिरिक्त आय के स्रोत क्या हैं। यदि इस दिशा में नियमित निगरानी और संपत्ति का ऑडिट किया जाए, तो भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाया जा सकता है। श्योपुर की घटना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि अब केवल सतही सुधारों से काम नहीं चलेगा, बल्कि गहराई में जाकर व्यवस्था को बदलना होगा। मेरा यह आर्टिकल मीडिया रिपोर्ट्स के आधार पर लिखा गया है।

साथियों बात अगर हम भ्रष्टाचार पर कार्रवाई की इस ऐतिहासिक घटना को समझने की करें तो, वर्ष 2021 में मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले में आई भीषण बाढ़ ने हजारों किसानों और ग्रामीणों को प्रभावित किया। प्राकृतिक आपदा के बाद राज्य सरकार द्वारा राहत के रूप में करोड़ों रुपये की सहायता राशि स्वीकृत की गई थी। इस राहत पैकेज में चार प्रमुख श्रेणियां थीं-फसल नुकसान, मकान क्षति, मवेशियों की हानि और अन्य सामान्य सहायता। यह राशि उन लोगों के लिए जीवनरेखा थी, जिनकी आजीविका पूरी तरह बर्बाद हो चुकी थी। लेकिन दुर्भाग्यवश, इसी संवेदनशील व्यवस्था में भ्रष्टाचार का ऐसा जाल बुना गया, जिसने न केवल पीड़ितों को उनके अधिकार से वंचित किया,बल्कि प्रशासनिक तंत्र की साख पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिया।जांच में सामने आया कि लगभग 960 किसानों के लिए स्वीकृत राहत राशि में से 794 वास्तविक लाभार्थियों को दरकिनार कर दिया गया और उनकी जगह 87 अपात्र व्यक्तियों के 127 बैंक खातों में पैसा ट्रांसफर कर दिया गया।यह पूरा घोटाला करीब 5 करोड़ रुपये का था। इस संगठित भ्रष्टाचार में निचले स्तर के कर्मचारियों से लेकर उच्च अधिकारियों तक की संलिप्तता स्पष्ट रूप से सामने आई। इस मामले में तत्कालीन तहसीलदार अमिता सिंह तोमर की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही, जिनपर आरोप है कि उन्होंने बिना समुचित जांच के फर्जी लाभार्थियों को मंजूरी दी। परिणामस्वरूप उन्हें निलंबित किया गया और बाद में जेल भी भेजा गया।

साथियों बात अगर हम पूरे देश में शायद पहली बार कलेक्टर की हिम्मत और चौंकाने वाली कार्रवाई को समझने की करें तो, इस मामले का सबसे चौंकाने वाला पहलू तब सामने आया जब यह स्पष्ट हुआ कि फर्जी लाभार्थियों की सूची तैयार करने में 18 पटवारियों की सीधी भूमिका थी।पटवारी,जो ग्रामीण प्रशासन की रीढ़ माने जाते हैं और जिनका सीधा संपर्क किसानों से होता है,उन्हीं के द्वारा इस प्रकार की धोखाधड़ी ने पूरे सिस्टम की जड़ों को हिला दिया। इन पटवारियों ने न केवल फर्जी सर्वे तैयार किए, बल्कि अपने रिश्तेदारों और परिचितों के खातों में सरकारी धन ट्रांसफर करवा दिया। यह केवल भ्रष्टाचार नहीं, बल्कि सामाजिक नैतिकता और सरकारी जिम्मेदारी का खुला उल्लंघन था।

साथियों बात अगर हम इस प्रकरण की पूरे भारत ही नहीं वैश्विक स्तरपर गूँज की करें तो, इस कार्रवाई का प्रभाव केवल मध्य प्रदेश तक सीमित नहीं रहा,बल्कि पूरे देश के प्रशासनिक तंत्र में एक हलचल पैदा कर दी। पहली बार ऐसा देखने को मिला कि एक ही तहसील के इतने बड़े पैमाने पर पटवारियों के खिलाफ एक साथ कार्रवाई की गई हो। यह घटना उन लाखों ईमानदार सरकारी कर्मचारियों के लिए भी प्रेरणा है, जो व्यवस्था में सुधार लाना चाहते हैं, लेकिन अक्सर दबाव और भय के कारण चुप रहते हैं।भ्रष्टाचार को यदि एक बीमारी माना जाए, तो यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि यह कोविड महामारी या कैंसर से भी अधिक खतरनाक है, क्योंकि यह धीरे-धीरे पूरे तंत्र को अंदर से खोखला कर देता है इस बीमारी का सबसे बड़ा कारण केवल व्यक्तिगत लालच नहीं, बल्कि सामूहिक मिलीभगत है, जिसमें निचले स्तर से लेकर उच्च अधिकारियों तक एक श्रृंखला बन जाती है। श्योपुर का मामला इसी सच्चाई को उजागर करता है कि जब तक इस पूरी श्रृंखला को तोड़ा नहीं जाएगा, तब तक भ्रष्टाचार पर प्रभावी नियंत्रण संभव नहीं है।

साथियों बात अगर हम पूरे भारत में कलेक्टरों द्वारा स्वत संज्ञान लेकर इस प्रकार की कार्रवाई को प्राथमिकता देने की करें तो, इस संदर्भ में सभी राज्यों के लिए यह आवश्यक हो जाता है कि वे इस मामले से सबक लें और अपने-अपने क्षेत्रों में इसी प्रकार की सख्त कार्रवाई करें। सबसे पहला कदम डिजिटल सत्यापन की दिशा में होना चाहिए। राहत राशि और अन्य सरकारी योजनाओं के वितरण में आधार-लिंक्ड बैंक खातों का उपयोगअनिवार्य किया जाना चाहिए और लाभार्थियों की सूची को सार्वजनिक पोर्टल पर उपलब्ध कराया जाना चाहिए। इससे पारदर्शिता बढ़ेगी और फर्जीवाड़े की संभावना कम होगी।दूसरा महत्वपूर्ण उपाय स्वतंत्र एजेंसियों द्वारा थर्ड पार्टी ऑडिट है। जब तक जांच पूरी तरह निष्पक्ष और बाहरी एजेंसी द्वारा नहीं की जाएगी, तब तक आंतरिक मिलीभगत के कारण सच्चाई सामने आना कठिन रहेगा। श्योपुर मामले में भी जब ऑडिट हुआ, तभी यह घोटाला उजागर हो पाया।तीसरा और सबसे महत्वपूर्ण पहलू है कठोर जवाबदेही। केवल निलंबन या स्थानांतरण से भ्रष्टाचार नहीं रुकता, बल्कि इसके लिए सख्त कानूनी कार्रवाई आवश्यक है। श्योपुर में जिस प्रकार से अभियोजन की मंजूरी दी गई और गिरफ्तारी की प्रक्रिया शुरू हुई, वह एक आदर्श उदाहरण है। इससे यह संदेश जाता है कि भ्रष्टाचार करने वालों को केवल प्रशासनिक दंड ही नहीं, बल्कि कानूनी परिणाम भी भुगतने होंगे। इसके अतिरिक्त ग्राम सभाओं के माध्यम से लाभार्थियों की सूची का सत्यापन भी एक प्रभावी उपाय हो सकता है। स्थानीय स्तर पर लोगों को शामिल करने सेपारदर्शिता बढ़ती है और गलत लाभार्थियों की पहचान आसानी से हो सकती है। यह लोकतंत्र के विकेंद्रीकरण की भावना के अनुरूप भी है।

आज का इतिहास

1945 - अमेरिका द्वारा ओकीनावा पर आक्रमण; जापानी मंत्रिमंडल का त्यागपत्र; अमेरिकी राष्ट्रपति रूजवेल्ट का देहान्त।

1991 - खाड़ी युद्ध औपचारिक रूप से समाप्त।

1998 - गिरिजा प्रसाद कोइराला नेपाल के नये प्रधानमंत्री नियुक्त।

2006 - साइप्रस के राष्ट्रपति तासोस पापादोलस 6 दिवसीय यात्रा पर भारत पहुँचे।

2007 - पाकिस्तान ने ईरान गैस पाइपलाइन पर भारत को मंजूरी दी। एयरलाइन्स जेट ने एयर सहारा को ख़रीदा।

2008 - भारतीय मूल के ब्रिटिश उद्योगपति और सांसद लॉर्ड स्वराजपाल के स्वामित्व वाले केपेरो समूह ने पश्चिम बंगाल के सिंगूर में मोटर वाहन के पुर्जे बनाने की तीन इकाइयों को लगाने का फ़ैसला किया।

अफ़ग़ानिस्तान में भारतीयों के एक काफ़िले पर हुए आत्मघाती हमले में दो भारतीय इंजीनियरों सहित तीन लोगों की मौत।

2010-

लुधियाना, पंजाब (भारत) के गुरु नानक देव स्टेडियम में भारतीय कबड्डी टीम ने पाकिस्तान की टीम को 58-24 से पराजित कर प्रथम विश्व कप कबड्डी प्रतियोगिता जीत ली।

ब्रिटिश-भारतीय लेखक राणा दासगुप्ता को महागाथा सोलो के लिए 2010 का कॉमनवैल्थ राइटर्स पुरस्कार देने की घोषणा की गई। आस्ट्रेलियाई ग्लेंडा गेस्ट के 'सिडॉन रॉक' को यहाँ हुए पुरस्कार के ग्रांड फिनाले में 'श्रेष्ठ पहली पुस्तक' का अवार्ड मिला।

2014- मशहूर गीतकार गुलज़ार को वर्ष 2013 के लिए दादा साहब फाल्के पुरस्कार दिया गया।

12 अप्रॅल को जन्मे व्यक्ति

1885 - राखालदास बंद्योपाध्याय - प्रसिद्ध भारतीय इतिहासकार तथा पुरातत्त्ववेत्ता।

1917 - वीनू मांकड़ - भारत के महान् क्रिकेट खिलाड़ियों में से एक थे। इनका नाम विश्व के श्रेष्ठ ऑलराउंडरों में गिना जाता है।

1910- केदार शर्मा - भारतीय फ़िल्म निर्देशक, निर्माता, पटकथा लेखक और हिंदी फ़िल्मों के गीतकार।

1921 - सुन्दर सिंह भण्डारी - भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ राजनीतिज्ञ थे।

ईरान में संचार अंधकार का दौर सत्ता, संघर्ष और समाज के बीच टूटता संवाद

मध्य पूर्व में चल रहे तनाव और टकराव के बीच ईरान में एक और गंभीर स्थिति सामने आई है, जहां संचार व्यवस्था का ठप हो जाना अब एक नए संकट के रूप में उभर रहा है। पिछले सैंतीस दिनों से देश में संचार सेवाओं पर लगा प्रतिबंध न केवल आम नागरिकों के दैनिक जीवन को प्रभावित कर रहा है, बल्कि यह शासन, सुरक्षा और स्वतंत्रता के बीच गहरे संघर्ष को भी उजागर करता है। यह स्थिति केवल तकनीकी समस्या नहीं है, बल्कि इसके पीछे राजनीतिक, सामाजिक और रणनीतिक कारणों का जटिल मिश्रण छिपा हुआ है। ईरान में यह संचार बंदी ऐसे समय में लागू की गई है, जब देश बाहरी हमलों और आंतरिक अस्थिरता दोनों का सामना कर रहा है। अमेरिका और इजराइल के साथ बढ़ते टकराव ने वहां की सरकार को सुरक्षा के नाम पर कठोर कदम उठाने के लिए प्रेरित किया है। सरकार का मानना है कि संचार माध्यमों के जरिए अफवाहें, गलत सूचनाएं और विरोध को बढ़ावा मिल सकता है, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा हो सकता है। इसलिए संचार सेवाओं को सीमित या पूरी तरह बंद करना एक रणनीतिक निर्णय के रूप में देखा जा रहा है।

कांतिलाल मांडोत

लेकिन इस निर्णय का प्रभाव केवल सुरक्षा तक सीमित नहीं है। इसका सबसे बड़ा असर आम नागरिकों पर पड़ा है, जो अपने परिवार, मित्रों और बाहरी दुनिया से कट चुके हैं। व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं और अन्य आवश्यक गतिविधियां बुरी तरह प्रभावित हो रही हैं। छोटे व्यापारी, छात्र और पेशेवर लोग सबसे अधिक संकट का सामना कर रहे हैं, क्योंकि उनके कामकाज का बड़ा हिस्सा संचार पर निर्भर करता है। ऐसे में यह संचार बंदी एक प्रकार से सामाजिक और आर्थिक जीवन को ठहराव की स्थिति में ले आई है।

इस स्थिति का एक और पहलू अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से जुड़ा है। जब संचार माध्यम बंद हो जाते हैं, तो लोगों की आवाज भी सीमित हो जाती है। वे अपनी समस्याएं, विचार और विरोध खुलकर व्यक्त नहीं कर पाते। इससे समाज में असंतोष और निराशा बढ़ने की संभावना रहती है। इतिहास गवाह है कि जब लोगों की आवाज दबाई जाती है, तो वह किसी न किसी रूप में और अधिक तीव्रता के साथ सामने आती है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी इस स्थिति को लेकर चिंता व्यक्त की जा रही है। विभिन्न मानवाधिकार संगठनों का मानना है कि इस तरह की लंबी संचार बंदी नागरिक अधिकारों का उल्लंघन है। हालांकि, ईरान सरकार का

तर्क है कि यह कदम अस्थायी है और देश की सुरक्षा के लिए आवश्यक है। लेकिन सैंतीस दिनों का लंबा समय इस अस्थायी उपाय को एक स्थायी संकट का रूप देता जा रहा है।

इस पूरे घटनाक्रम को यदि व्यापक संदर्भ में देखा जाए, तो यह स्पष्ट होता है कि संचार आज केवल सूचना का माध्यम नहीं रह गया है, बल्कि यह शक्ति और नियंत्रण का एक महत्वपूर्ण साधन बन चुका है। जो इसे नियंत्रित करता है, वह समाज की दिशा और गति को भी प्रभावित कर सकता है। ईरान में हो रही यह घटना इसी बात का उदाहरण है कि कैसे तकनीक का उपयोग और दुरुपयोग दोनों संभव हैं।

वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में, जहां एक ओर देशों के बीच संघर्ष बढ़ रहा है, वहीं दूसरी ओर सूचना का प्रवाह भी एक युद्ध का रूप ले चुका है। इस सूचना युद्ध में सच्चाई और भ्रम के बीच अंतर करना कठिन होता जा रहा है। ऐसे में किसी देश द्वारा संचार को पूरी तरह बंद करना एक तरह से इस युद्ध से बचने का प्रयास भी हो सकता है, लेकिन इसके परिणाम दूरगामी और जटिल होते हैं।

ईरान की स्थिति यह भी दर्शाती है कि आधुनिक समाज में संचार का महत्व कितना अधिक हो गया है। आज के समय में यह केवल सुविधा नहीं, बल्कि आवश्यकता बन चुका है। इसके बिना जीवन की कल्पना करना भी कठिन है। इसलिए जब इसे अचानक छीन लिया जाता है, तो इसका प्रभाव केवल तकनीकी नहीं, बल्कि मानसिक और भावनात्मक भी होता है।

आने वाले समय में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि ईरान इस स्थिति से कैसे बाहर निकलता है। क्या सरकार संचार सेवाओं को बहाल करेगी या यह प्रतिबंध और लंबा खिंचेगा, यह कई कारकों पर निर्भर करेगा। अंतरराष्ट्रीय दबाव, आंतरिक हालात और सुरक्षा की स्थिति इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

अंततः, यह घटना हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि तकनीक और सत्ता के बीच संतुलन कैसे बनाया जाए। जहां एक ओर सुरक्षा आवश्यक है, वहीं दूसरी ओर स्वतंत्रता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। यदि इन दोनों के बीच संतुलन नहीं बनाया गया, तो इसका खामियाजा समाज को भुगतना पड़ता है। ईरान में जारी यह संचार अंधकार केवल एक देश की समस्या नहीं है, बल्कि यह एक वैश्विक चेतावनी है कि आधुनिक युग में सूचना और संचार कितने महत्वपूर्ण हो चुके हैं। इसे नियंत्रित करने के प्रयास हमेशा विवाद और असंतोष को जन्म देते हैं। इसलिए आवश्यक है कि इस दिशा में संतुलित और जिम्मेदार दृष्टिकोण अपनाया जाए, ताकि सुरक्षा और स्वतंत्रता दोनों का सम्मान बना रहे।

(वरिष्ठ पत्रकार ,साहित्यकार स्तम्भकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

नारी की उदारता का दिव्य स्वरूप मानवता के मूल में नारी का करुणामय हृदय

कांतिलाल मांडोत

नारी सृष्टि की सबसे कोमल किन्तु सबसे शक्तिशाली कृति है। वह केवल एक शरीर या एक सामाजिक भूमिका नहीं बल्कि जीवन का आधार है। उसके बिना संसार की कल्पना भी अधूरी है। नारी के व्यक्तित्व का सबसे उज्ज्वल पक्ष उसकी उदारता है जो उसे महान बनाती है। उदारता का अर्थ केवल दान देना नहीं बल्कि अपने अस्तित्व को दूसरों के लिए समर्पित कर देना है और यही गुण नारी के स्वभाव में स्वाभाविक रूप से विद्यमान है।

नारी की उदारता का सबसे श्रेष्ठ उदाहरण उसके मातृत्व में देखने को मिलता है। एक माता अपने बच्चे को गर्भ में धारण करने से लेकर उसके पालन पोषण तक हर कठिनाई को सहज भाव से स्वीकार करती है। वह अपनी भूख प्यास नींद सब कुछ त्याग कर अपने शिशु की देखभाल करती है। वह अपने सुखों का त्याग कर अपने बच्चे के भविष्य को संवारने में लग जाती है। उसकी ममता में कोई भेदभाव नहीं होता चाहे संतान कैसी भी हो वह उसे समान प्रेम देती है। यही नारी की उदारता की पराकाष्ठा है।

नारी केवल माता के रूप में ही नहीं बल्कि एक गृहिणी के रूप में भी अपनी उदारता का परिचय देती है। विवाह के बाद वह एक नए परिवार में प्रवेश करती है और उस परिवार को अपना मानकर पूरे मन से उसकी सेवा करती है। वह अपने माता पिता और अपने पुराने परिवेश को छोड़कर एक नए वातावरण में ढल जाती है। वह घर के प्रत्येक सदस्य की आवश्यकताओं का ध्यान रखती है और परिवार को एक सूत्र में बांधे रखती है। उसकी यह सेवा भावना और समर्पण उसकी उदारता का जीवंत उदाहरण है।

पत्नी के रूप में भी नारी का स्वरूप अत्यंत प्रेरणादायक होता है। वह अपने पति के सुख दुख में सहभागी बनती है और हर परिस्थिति में उसका साथ निभाती है।

आज का राशिफल

मेष- लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। शुभांक-3-6-8

वृष- अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। विद्यार्थियों को लाभ। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। शुभांक-6-7-9

मिथुन- समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। महत्वपूर्ण कार्यों को आज ही निपटा लें, उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। शुभांक-3-4-8

कर्क- मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। संतान की उन्नति के योग हैं। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। शुभांक-4-8-9

सिंह- संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-6-8-9

कन्या- पुराने मित्र से मिलन होगा। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। व्यापार में वृद्धि होगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। शुभांक-4-2-9

तुला- माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। शुभांक-6-8-9

वृश्चिक- नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-6-7

धनु- कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। शुभांक-3-7-9

मकर- कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। साथी अथवा यार दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। किसी कार्य विशेष के लिए यात्रा आवश्यक होगी। शुभांक-6-7-8

कुम्भ- शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते हैं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। आलस्य का त्याग करें। काम पर पैनी नजर रखिए। सब्र का फल मीठा होता है अतः धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। शुभांक-2-5-7

मीन- पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। सफलता मिलेगी। शुभांक-3-7-

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR
Rage.Office: TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 Gujarat,India. Phone : (O) 9016333307(M)9328333307,9825333307
Email : garvigujarat2007@gmail.com,garvigujarat2007@yahoo.com,Website : www.garvigujarat.co.in

लखनऊ में 9.14 लाख मतदाता घटे, सरोजनीनगर में सबसे ज्यादा, कैंट में सबसे कम मतदाता

लखनऊ, एजेंसी।एसआईआर प्रक्रिया के बाद जिले में 914,185 मतदाता कम हो गए हैं। शुक्रवार को जिला प्रशासन ने अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन कर दिया, जिसके मुताबिक जिले में अब 3,080,350 मतदाता हैं, जबकि एसआईआर प्रक्रिया से पहले जिले में 3,994,535 मतदाता थे।जिला निर्वाचन अधिकारी विशाख जी ने बताया कि जिले के सभी 1556 मतदान केंद्रों पर अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन किया गया है। जिले में 1566 मतदान केंद्रों पर 4132 मतदेय स्थल बनाए गए हैं। अंतिम सूची के अनुसार कुल मतदाताओं में 16,13,049 पुरुष, 14,67,194 महिला और 107 थर्ड जेंडर के मतदाता हैं।विधानसभा क्षेत्रवार आंकड़ों के अनुसार, सरोजनीनगर सीट पर सबसे अधिक 4,60,037 मतदाता दर्ज किए गए हैं, जबकि लखनऊ कैंट में सबसे कम 2,40,628 मतदाता हैं। विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ निर्वाचन कार्यालय में बैठक में उन्हें अंतिम प्रकाशित मतदाता सूची की हार्ड और सॉफ्ट कॉपी उपलब्ध कराई गई।

भैंस चराने गए किसान को बाघ ने मार डाला, दो की हालत नाजुक, घर से 700 मीटर दूर मिली लाश ; दहशत में ग्रामीण

बलरामपुर, एजेंसी।गैजंगली जानवरों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। अलग-अलग घटनाओं में जहां पचपेड़वा क्षेत्र में बाघ के हमले से 42 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई, वहीं महराजगंज तराई में तेंदुए ने किसान और एक राहगीर पर हमला कर घायल कर दिया। लगातार हो रही घटनाओं से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है।पचपेड़वा क्षेत्र के ग्राम पंचायत घुबौलिया के मजरा रेहरा चौकी निवासी हरिकांत यादव(42) शुक्रवार सुबह भैंस चराने जंगल की ओर गए थे। कुछ देर बाद जंगल की ओर से शोर सुनाई दिया। मृतक के बेटे सुजीत के अनुसार आवाज सुनकर आसपास खेतों में काम कर रहे लोग मौके की ओर दौड़े, लेकिन तब तक जंगली जानवर हमला कर चुका था और जंगल की ओर भाग गया।

घर से लगभग 700 मीटर दूर मिली लाश :ग्रामीणों ने खोजबीन की तो घर से लगभग 700 मीटर दूर जंगल में हरिकांत यादव का शव पड़ा मिला। ग्रामीणों का कहना है कि बाघ के हमले में उनकी मौत हुई है। ग्राम प्रधान राकेश कुमार, झिनकू प्रसाद, राधेश्याम और विमल कुमार ने बताया कि इसी जंगल क्षेत्र में पहले भी पांच लोगों को बाघ निवाला बना चुका है।ग्राम प्रधान परसरामपुर शेखर पांडे ने बताया कि बीते दिनों उनके क्षेत्र में भी बाघ के हमले में दो महिलाओं की मौत हो चुकी है। वहीं ग्राम बेलभारिया के मजरा सड़वा में किसान बिकाई तथा ग्राम पंचायत विशुनपुर कोडर में एक महिला की भी बाघ के हमले में मौत हो चुकी है। वन क्षेत्राधिकारी भाभंर रेंज योगेश कुमार ने बताया कि सूचना पर टीम मौके पर पहुंची। ग्रामीणों को जंगल में न जाने की सलाह दी गई है तथा मामले की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर ही स्पष्ट होगा कि जंगली जानवर बाघ है या तेंदुआ। मृतक के बेटे सुजीत यादव ने बताया कि उनके पिता रोज की तरह सुबह जानवर लेकर निकले थे। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार वह उनकी माता चिनका देवी के साथ जंगल में जानवरों को छोड़कर महुआ बीन रहे थे तभी जंगली जानवर ने हमला कर दिया। पचपेड़वा पुलिस व फॉरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंच गई। टीम ने घटना स्थल से नमूने भी जुटाए हैं। प्रभारी निरीक्षक ओपी सिंह चौहान ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

तेंदुए ने किसान व राहगीर पर किया हमला :महराजगंज तराई क्षेत्र में तेंदुए ने दो लोगों पर हमला कर घायल कर दिया। बनकटवा रेंज के ग्राम बनकटवा निवासी 55 वर्षीय सहजराम शुक्रवार शाम करीब 7:30 बजे भोजन के बाद अपने सब्जी खेत की रखवाली करने जा रहे थे। सड़क किनारे झाड़ी में छिपे तेंदुए ने अचानक उन पर झपट्टा मार दिया, जिससे उनके सिर पर चोट आई। सहजराम के शोर मचाने पर तेंदुआ सड़क की ओर भागा। इसी दौरान महाराजगंज से बाइक से अपने घर बलदेव नगर जा रहे हलीम पर भी तेंदुए ने हमला कर दिया।हमले में बाइक दूर जाकर गिर गई और हलीम घायल हो गए। शोर सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे, तब तक तेंदुआ खेतों की ओर भाग चुका था। ग्रामीणों ने दोनों घायलों को पहले निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल भेजा गया।

एकीकृत व्यवस्था से शिक्षा में बढ़ेगी पारदर्शिता व गुणवत्ता : प्रो. सैनी

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ विश्वविद्यालय और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को विकसित भारत के लिए उच्च शिक्षा विषय पर संगोष्ठी हुई। कार्यक्रम चार सत्रों में हुआ। मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने कहा कि नए विधेयक के तहत यूजीसी, एआईसीटीई और एनसीटीई की जगह एक एकीकृत व्यवस्था बनेगी। इससे पारदर्शिता और गुणवत्ता बढ़ेगी। विशिष्ट अतिथि एनबीआरआई के निदेशक डॉ. अजीत कुमार शासनी ने प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा का उल्लेख किया। मुख्य वक्ता प्रो. राज शरण शाही रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. अशोक मोरल ने की। संगोष्ठी में बाराबंकी, अयोध्या, गोंडा व सीतापुर से आए प्राध्यापकों ने हिस्सा लिया। इस मौके पर प्रो. वंदना सहगल, अभाविप के प्रांत संगठन मंत्री अंशुल विद्यार्थी, प्रो. भुवनेश्वरी भारद्वाज, प्रो. शशि भूषण, घनश्याम शाही, प्रो. नीतू सिंह, प्रो. मंजुला उपाध्याय समेत कई लोग मौजूद रहे।

पूर्व इसरो प्रमुख ने कहा- डिजिटल गैजेट्स को गुलाम बनाओ, एआई से हजार गुना बुद्धिमान है आपका दिमाग

वाराणसी, एजेंसी।बीएचयू में प्रज्ञान 2026 में 2100 से ज्यादा जेन-जी छात्र-छात्राओं ने इसरो के आठवें चेयरमैन डॉ. एएस किरण कुमार को सुना। स्वतंत्रता भवन में 20 सेकंड अंग्रेजी बोलने के बाद छात्रों की मांग पर उन्होंने हिंदी में 60 मिनट तक संवाद किया। इस कार्यक्रम में कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थियों को ध्यान में रखकर डॉ. किरण ने कहा कि डिजिटल गैजेट्स को अपना गुलाम बनाइए। आप खुद गुलाम न बन जाइए। गैजेट्स पर समय बर्बाद न करिए।उन्होंने कहा कि अपने कौशल को निखारने के साथ ही तकनीक का इस्तेमाल कर देश के विकास में अपना योगदान दीजिए। अब भारत का अपना स्वदेशी निर्मित एआई सॉफ्टवेयर बंगलूरू में तैयार हो रहा है। एआई का इस्तेमाल करिए लेकिन सिर्फ टूल की तरह। जितने से आपका काम निकल जाए। अपना वास्तविक इंटेलीजेंस इस्तेमाल करिए, जो आपका दिमाग है। यह एआई से कई हजार गुना बेहतर है। अपनी इंद्रियों का उपयोग कर इतिहास रचें। सही प्रश्न पूछें और प्रकृति से सीख लेकर उसे नोट करें। उन्होंने कहा कि मनुष्य वास्तविक बुद्धि रोबोट एडवांस का वर्जन हैं और युवा छात्रों को खोज करने वाला बनना चाहिए।

भारत एकमात्र देश जो स्पेस टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल युद्ध के लिए नहीं करता :डॉ. किरण कुमार ने कहा कि भारत ही ऐसा देश है जो स्पेस टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल युद्ध के लिए नहीं, बल्कि मानव जरूरतों और आपदा को कम करने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने गार्गी ऋषि से शुरू होकर विक्रम साराभाई और अब्दुल कलाम तक के उदाहरणों को छात्रों के सामने रखा। आगे बताया कि भारत में वैज्ञानिकों की कमी है। महामना ने बीएचयू को सिर्फ पढ़ाई के लिए नहीं बल्कि नवाचार को आगे बढ़ाने के लिए खोला था। इस दौरान डॉ. किरण ने बीएचयू के जंतु विज्ञान विभाग स्थित ज्ञान लैब से छपने वाली अचिंत्य पत्रिका के सलाहबार बोर्ड की सदस्यता का प्रस्ताव भी स्वीकार किया।

100 से ज्यादा स्कूलों ने की हिस्सेदारी :प्रज्ञान में वाराणसी और आसपास के जिलों सहित दूरदराज के 100 से ज्यादा स्कूलों के छात्रों ने हिस्सेदारी की। इन्होंने नवीन विज्ञान मॉडल, पोस्टर, क्विज और प्रायोगिक गतिविधियों की प्रदर्शनी लगाई। इस दौरान आईआईटी बीएचयू के रोबोटिक्स क्लब, एरो मॉडलिंग क्लब की ओर से स्पेशल साइंस वर्कशॉप और लाइव साइंस शो भी किया गया। यह कार्यक्रम मेक इंडिया साइंटिफिक की थीम पर किया जा रहा है। इसमें विज्ञान संस्थान, बीएचयू और आईआईटी-बीएचयू के 300 से ज्यादा छात्र-छात्रा शामिल रहे।

जेन जी, जेन अल्फा और जेन वाई का ये कार्यक्रम :विज्ञान संस्थान के डीन प्रो. आरके श्रीवास्तव ने कहा कि इस विज्ञान महोत्सव में तीन पीढ़ियों का सहयोग है। आज के समय में जेन जी, जेन अल्फा के साथ जेन वाई का ये आयोजन है। प्रो. मधु जी तपड़िया ने कहा कि सफलता के कोई शॉर्टकट नहीं हैं और सफलता प्राप्त करने के लिए बॉक्स के बाहर सोचना और सही प्रश्न मन में रखना जरूरी है। इस दौरान कार्यक्रम में जीन वैज्ञानिक प्रो. ज्ञानेश्वर चौबे, डॉ. अवनीश सिंह, प्रोफेसर आरके सिंह, प्रो. अभय कुमार सिंह आदि मौजूद रहे।

लखनऊ का अनोखा मामला, बेटे से एक साल छोटी निकली मां, आधार कार्ड देख अफसर भी हैरान; बेटा बोला- कोर्ट जाऊंगा

लखनऊ, एजेंसी।सरकारी दस्तावेजों में एक अनोखी विसंगति सामने आई है। एक मां की आयु उसके पुत्र से एक वर्ष कम हो गई है। इस त्रुटि को सुधारने के लिए परिजन पिछले दो वर्ष से विभिन्न सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगा रहे हैं। उन्हें हर जगह निराशा ही हाथ लगी है। आयु निर्धारण के लिए शुक्रवार को परिजन सीएमओ कार्यालय भी पहुंचे। वहां अधिकारियों ने बताया कि उनके पास इस तरह के मामलों में जांच के कोई आदेश नहीं है, इसलिए वह कुछ नहीं कर सकते।बंथरा हरौनी की निवासी नीता की वास्तविक उम्र करीब 60 वर्ष है। वह आधार कार्ड में दर्ज अपनी उम्र के कारण परेशान हैं। आधार कार्ड में जन्मतिथि एक जनवरी 1995 दर्ज है, जबकि उनके बेटे शैलेंद्र की जन्मतिथि एक जनवरी 1996 दर्ज है। इस गड़बड़ी ने नीता के लिए एक बड़ी समस्या खड़ी कर दी है। उन्होंने आधार कार्ड कार्यालय में कई बार अपनी उम्र सही कराने के लिए प्रयास किया लेकिन हर बार उनका आवेदन निरस्त कर दिया गया।

सीएमओ कार्यालय से भी मिली निराशा :आधार कार्ड में सुधार न होने के बाद नीता ने अपनी आयु का निर्धारण करवाने के लिए मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) कार्यालय में आवेदन किया। परिजन जब सीएमओ कार्यालय के अधिकारियों से मिले तो उन्होंने चिकित्सकीय परीक्षण के जरिये आयु निर्धारण करने से मना कर दिया। नीता ने सीएमओ कार्यालय में परिवार रजिस्टर समेत अन्य साक्ष्य भी दिखाए। परिवार रजिस्टर में नीता की उम्र 60 वर्ष दर्ज है, जो आधार कार्ड में दर्ज उम्र से काफी भिन्न है।

विभागीय मांग पर गठित होगा बोर्ड :सीएमओ डॉ. एनबी सिंह ने बताया कि आयु निर्धारण के लिए विभाग के पास फिलहाल कोई ऐसा आदेश नहीं है जिसके आधार पर जांच कर उम्र तय की जा सके। उन्होंने कहा कि यदि किसी अन्य विभाग से इस संबंध में पत्र भेजा जाता है तो आयु निर्धारण के लिए एक बोर्ड गठित कर जांच की जा सकती है।

बेटे ने कहा...कोर्ट में करेंगे गुहार :बेटे शैलेंद्र का कहना है कि वह पिछले दो वर्ष से एक से दूसरे विभाग की दौड़ लगा रहे हैं लेकिन उन्हें कहीं से भी कोई मदद नहीं मिल रही है।

प्रदेश में ट्रांसफार्मर मरम्मत से तीन अरब की बचत, अभियंताओं से वसूली आदेश पर बढ़ा विरोध

लखनऊ, एजेंसी।ट्रांसफार्मरों के क्षतिग्रस्त होने की दर में करीब चार फीसदी की गिरावट आई है। निगरानी बढ़ाने के साथ ही वर्ष में दो बार अनुरक्षण कार्य करने के कारण ऐसे परिणाम देखने को मिल रहे हैं। इससे प्रत्येक वर्ष करीब तीन अरब से ज्यादा की बचत होने का अनुमान है। अब पॉवर कॉर्पोरेशन ट्रांसफार्मरों की क्षतिग्रस्तता दर को और कम करने की रणनीति पर कार्य कर रहा है।प्रदेश में प्रत्येक वर्ष करीब 25 से 30 लाख वितरण ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त होते हैं। इसी तरह करीब 150 से 200 वितरण ट्रांसफार्मर जलते रहे हैं।

पिछले कुछ दिनों में पॉवर कॉर्पोरेशन प्रबंधन ने ट्रांसफार्मर की क्षतिग्रस्तता कम करने के लिए नई रणनीति अपनाई। इसके तहत वर्ष में दो अनुरक्षण माह घोषित किए गए। इसमें प्रत्येक ट्रांसफार्मर की जांच, तेल डालने की प्रक्रिया सहित अन्य गतिविधियां चलाई गईं। इसका असर साफ दिखाई दे रहा है।

अभियंताओं से कीमत वसूलने का विरोध :अभी तक जलने वाले ट्रांसफार्मरों की संख्या के अनुसार अवर अभियंता से लेकर अधीक्षण अभियंता और निदेशक स्तर तक जिम्मेदारी तय की गई थी। इसमें कारण बताओ नोटिस, निलंबन जैसी कार्रवाई शामिल थी।

अंडरवर्ल्ड डॉन के बाद पूर्वांचल का पहला अंतरराष्ट्रीय तस्कर बना शुभम जायसवाल, कमिश्नरेट ने दी जानकारी

वाराणसी , एजेंसी।पूर्वांचल में पहली बार इंटरपोल ने यह कार्रवाई की है। अब तक पूर्वांचल के किसी भी जिले से अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए इंटरपोल का सहारा नहीं लिया गया था। कमिश्नरेट पुलिस और सीबीआई की पैरवी के आधार पर इंटरपोल ने कार्रवाई शुरू की है। दुबई में छिपे शुभम की गिरफ्तारी की प्रक्रिया आसान हो गई है।1993 मुंबई बम विस्फोट और अन्य आपराधिक मामले में अंडरवर्ल्ड डॉन आजमगढ़ निवासी अबू सलेम की गिरफ्तारी के लिए मुंबई पुलिस और सीबीआई की पैरवी पर 18 सितंबर 2002 को इंटरपोल ने रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया था। इसके बाद अबू सलेम को पुर्तगाल से गिरफ्तार किया गया था। पूर्वांचल का निवासी अबू सलेम मुंबई के नासिक सेंट्रल जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहा है।

तीन साल पहले राशिद नसीम के खिलाफ जारी है रेड कॉर्नर नोटिस :लखनऊ, प्रयागराज, वाराणसी समेत पूर्वांचल के अन्य जिलों में 68

हजार करोड़ रुपये के जमीन घोटाले में प्रयागराज के करेली निवासी शाइन सिटी के सीएमडी राशिद नसीम के खिलाफ इंटरपोल ने दिसंबर 2022 में रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया है। राशिद नसीम भी दुबई में छिपा है। तीन साल से दुबई पुलिस उसकी गिरफ्तारी की प्रक्रिया में है।

पिता जेल में, 100 करोड़ की संपत्ति जब्त :कमिश्नरेट पुलिस अधिकारियों के अनुसार कफ सिरप तस्करी में संलिप्त आरोपियों को उनके अंजाम तक पहुंचाया जा रहा है। प्राथमिकी दर्ज होने के बाद पांच नवंबर को देश छोड़कर भागे आदमपुर थाना क्षेत्र के प्रहलाद घाट कायस्थ टोला निवासी शुभम जायसवाल के पिता भोला प्रसाद जायसवाल की गिरफ्तारी समेत सर्किल के 50 से अधिक आरोपी जेल में हैं। शुभम समेत परिजनों की लगभग 100 करोड़ की संपत्ति जब्त की गई है।शुभम को दुबई से भारत लाए जाने के लिए सीबीआई के माध्यम से प्रार्थना पत्र भेजा गया था। इंटरपोल से कानूनी प्रक्रिया पूरी हुई।

अब दुबई सरकार को अधिकारिक अनुमति मिल गई है कि शुभम को कभी भी दुबई में गिरफ्तार किया जा सकता है। दुबई से उसे भारत प्रत्यारोपित किया जाएगा। न्यायालय में कमिश्नरेट पुलिस पेश करेगी। 14 दिनों की पुलिस कस्टडी रिमांड मांगी जाएगी। पूरे केस की जांच होगी। शुरू से अंत तक तस्करी में कौन-कौन लोग संलिप्त थे। मददगार कितने थे, यह पूरी जानकारी ली जाएगी।

लखनऊ में 5000 करोड़ से भूमिगत होंगे बिजली तार, 2030 तक पूरा होगा काम, डीपीआर मांगी गई

लखनऊ, एजेंसी।राजधानी में अनुमानित 5000 करोड़ की लागत से बिजली के तारों भूमिगत किया जाएगा। बिजली महकमे को यह कार्य वर्ष 2030 तक पूरा करना पड़ेगा। मध्यांचल विद्युत वितरण निगम के निदेशक (तकनीकी) हरीश बंसल ने लखनऊ के चारों जोनल मुख्य अभियंताओं से इस योजना की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) तीन दिन में मांगी है।शुक्रवार को निदेशक ने इस संबंध में मध्यांचल निगम मुख्यालय पर एक बैठक का आयोजन किया। इसमें जोनल मुख्य अभियंता अमौसी रामकुमार, लखनऊ मध्य के रवि कुमार अग्रवाल, जानकीपुरम के वीपी सिंह और गोमतीनगर के सुशील गर्ग ने तकनीकी टीम के साथ में शिरकत की। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य रक्षामंत्री राजनाथ के संसदीय क्षेत्र में आने वाले पांचों विधान सभा क्षेत्रों की बिजली व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए तारों को भूमिगत करने का था।निदेशक ने कार्ययोजना पर चर्चा करते हुए सभी जोनल मुख्य अभियंताओं से अलग-अलग डीपीआर तैयार कर आगामी मंगलवार तक उपलब्ध कराने के लिए कहा। उन्होंने बताया कि बिजली व्यवस्था में यह सुधार कार्य केंद्र की विशेष योजना के तहत होगा जिसका खर्च केंद्र सरकार उठाएगी।

पांच विस क्षेत्रों में नजर नहीं आएंगे खंभे और तार :

रक्षामंत्री के संसदीय क्षेत्र में पांच विधान सभा क्षेत्र आते हैं। इनमें लखनऊ पूर्व, लखनऊ पश्चिम, लखनऊ मध्य, लखनऊ उत्तर व कैंट विधान सभा शामिल हैं। इन विधान सभा क्षेत्र के प्रमुख रूप से गोमतीनगर, इंदिरानगर, चिनहट, गोमतीनगर विस्तार, महानगर, अलीगंज, डालीगंज, हजरतगंज, हुसैनगंज, चारबाग, आलमबाग, छावनी, राजाजीपुरम, पुराना शहर, अमीनाबाद सहित आसपास के इलाके हैं। सभी जोनल मुख्य अभियंता विधान सभावार सड़कों व गलियों से खंभे-तारों को हटाने की रिपोर्ट तैयार करेंगे।

यहां पहले से भूमिगत हैं तार :मध्यांचल विद्युत वितरण निगम ने अपने संसाधनों से अमीनाबाद, चौक बाजार में घनी आबादी को देखते हुए बिजली के तारों को भूमिगत किया है। इन इलाकों में 75 फीसदी काम हो भी चुका है। अब केंद्र सरकार की योजना से यहां शत-प्रतिशत तारों को भूमिगत किया जाएगा।

लखनऊ होगा यूपी का तीसरा शहर: प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में सबसे पहले तारों का भूमिगत की योजना शुरू हुई।

युद्ध रुका पर संकट बरकरार, जूतों के कंटेनर अटके

करोड़ों के नुकसान की कगार पर कारोबारी

आगरा, एजेंसी।पश्चिम एशिया के हालात के कारण आगरा के जूता कारोबार के 3.52 करोड़ जोड़ी जूते हजारों कंटेनरों में फंसे हुए हैं। लंबे समय तक बंद रहने से इनमें फंगस लगने का खतरा है, जिससे निर्यातकों को भारी नुकसान हो सकता है।पश्चिम एशिया में युद्ध विराम भले ही हुआ हो, लेकिन जूता कारोबारियों की चिंता अभी खत्म नहीं हुई है। युद्ध के कारण समुद्र में जूतों से लदे 2800 और पोर्ट पर 2100 कंटेनर फंसे हुए हैं। इनमें 3.52 करोड़ से अधिक जोड़ी चमड़े के जूते हैं। कंटेनरों की जल्द निकासी नहीं हुई तो इनमें फंगस लगने का खतरा बढ़ जाएगा। इससे यह माल निर्यात के लायक नहीं बचेगा।द आगरा शू फैक्टर्स फेडरेशन के अध्यक्ष विजय सामा ने बताया के आगरा से सऊदी अरब, यूएई, इराक, ईरान, कुवैत, बहरीन समेत कई देशों में जूतों का निर्यात होता है। खाड़ी देशों में

युद्ध के चलते समुद्र में जूतों से लदे 2800 कंटेनर फंसे हुए हैं। माल से भरे 2100 कंटेनर देश के विभिन्न पोर्ट पर खड़े हैं। एक कंटेनर में 7200 जोड़ी जूते आते हैं। इस तरह से 4900 कंटनेर में 3.5 करोड़ से अधिक जोड़ी जूते हैं।उन्होंने बताया कि जूतों को नमी और फंगस से बचाने के लिए रसायनों का उपयोग करते हैं। लंबे समय से ये पैकटों में बंद हैं, ऐसे में इनमें फंगस लगने का खतरा बढ़ गया है। फंगस लगने से जूता की गुणवत्ता प्रभावित होगी और निर्यात योग्य नहीं होगा। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पूरी तरह से खुलने के बाद ही कंटेनर विभिन्न देशों में जा सकेंगे।

अभी कर रहे इंतजार :जूता निर्यातक आशीष जैन ने बताया कि खाड़ी देशों में सीजफायर से बड़ी राहत मिली है। अभी भी स्ट्रेट ऑफ होर्मुज खुला नहीं है। इससे निर्यात शुरू नहीं हुआ है। जब तक रास्ता पूरी तरह से नहीं खुलेगा, निर्यात शुरू नहीं हो पाएगा।

काशी में 17 डिग्री पारा, 2025 से आठ डिग्री ज्यादा सर्द हैं रातें ; 30 किमी/घंटे की गति से बही पछुआ

वाराणसी, एजेंसी।मौसम में आए इस बदलाव की वजह बीते दिनों हुई लगातार बारिश और सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ को माना जा रहा है। ठंडी हवाओं के चलते रात और भोर के समय ठंडक का असर अधिक महसूस हो रहा है। स्थिति यह है कि सुबह-सुबह जॉगिंग या टहलने निकलने वाले लोग हल्के गर्म कपड़े पहनने को मजबूर हैं।शुक्रवार को दिन में भी मौसम का मिजाज बदला-बदला रहा। तेज धूप के बावजूद पछुआ हवा करीब 30 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलती रही, जिससे तापमान सामान्य से नीचे बना रहा। जिले का अधिकतम तापमान सामान्य से करीब 4.8 डिग्री कम दर्ज किया गया।

तेज हवाओं का दौर जारी रहेगा :मौसम विभाग के अनुसार, शुक्रवार को वाराणसी का अधिकतम तापमान 33.8 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 17.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से 3.4 डिग्री कम है। वहीं हवा में नमी 23 से 37 प्रतिशत के बीच बनी रही।विशेषज्ञों का कहना है कि अभी अगले दो दिनों तक तेज हवाओं का दौर जारी रह सकता है।

'खवातीन' आतंकी विंग का खतरनाक प्लान, आईएसआईएस से लिंक और मिले जाकिर नाइक के वीडियो; हैदराबाद की महिला इन्फ्लुएंसर गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। आंध्र प्रदेश पुलिस ने एक अंतरराज्यीय आतंकी मॉड्यूल में कथित भूमिका के लिए हैदराबाद की रहने वाले एक सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर को गिरफ्तार किया है। वह एक सिंगल मदर है और उसके इंस्टाग्राम पर 38,000 फॉलोअर्स हैं। समाचार एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस ने बताया कि वह कई राज्यों में युवाओं को ऑनलाइन कट्टरपंथी बनाने और उनकी भर्ती करने में शामिल थी। 25 मार्च तो सईदा को गिरफ्तार करने के बाद, विजयवाड़ा पुलिस के पता चला कि कथित तौर पर 'खवातीन' नाम के एक आतंकी संगठन की एक अलग महिला विंग बनाने और उसे उसकी लीडर बनाने की योजना थी। इस योजना के तहत भर्ती की गई महिलाओं को पूरे भारत में हमले के करने के लिए हथियार, बंदूकें और विस्फोटकों के इस्तेमाल की ट्रेनिंग दी

जानी थी।

सईदा पर आतंकी नेटवर्क में सईदा ने पुलिस के आरोपों से किया इनकार 5 सईदा ने पुलिस द्वारा लगाए गए सभी आरोपों से इनकार किया है, और उसके वकील का कहना है कि उसने ये ग्रुप नहीं बनाए थे, बल्कि उसे बिना उसकी जानकारी के इन ग्रुप्स में जोड़ दिया गया था। पुलिस के अनुसार, सईदा ने उन्हें बताया कि लगभग 7-8 महीने पहले उसे इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप पर एक लिंक मिला था, जो बाद में एक ऐसे धार्मिक समूह का निकला जो ढ्ढस्ढ्ढस् को बढ़ावा देने वाले वीडियो पोस्ट करता था।

महिलाओं की भर्ती का शक

५ सईदा, जो एक घरेलू सहायिका के तौर पर भी काम करती थी, उस पर आतंकियों के नेटवर्क में महिलाओं को भर्ती करने का शक है। हैदराबाद एक अखबार की 'डेक्कन क्रॉनिकल' रिपोर्ट के मुताबिक, उसके 42 महिलाओं की भर्ती की थी। स्न्रद्धक्रके अनुसार, सईदा उन ऑनलाइन ग्रुप्स की एक एक्टिव मेंबर थी जो अल-कायदा के आतंकी ओसामा बिन लादेन के वीडियो और जाकिर नाइक और इसरार अहमद जैसे कट्टरपंथी इस्लामी उपदेशकों के भाषणों को बढ़ावा देते थे। एक खुफिया अधिकारी ने समाचार एजेंसी को बताया कि जिस ग्रुप के साथ सईदा काम कर रही थी, उसके पाकिस्तानी हैंडलर्स और अल-कायदा इन द इंडियन सबकॉन्टिनेंट जैसे आतंकी संगठनों से संबंध थे। सईदा मुख्य आरोपी रहमतुल्लाह शरीफ के साथ काम करती थी, जो कथित तौर पर इस ग्रुप का इंचार्ज था, और उसके साथियों के साथ भी, जिन्हें मार्च में गिरफ्तार किया गया था।

महिला आरक्षण विधेयक पर अपना रुख तय करेगा विपक्ष, 15 अप्रैल को होगी बैठक

नई दिल्ली, एजेंसी। महिला आरक्षण कानून पर सरकार के प्रस्ताविक संशोधनों पर एक साझा रुख तय करने के लिए 15 अप्रैल को विपक्षी दलों की एक बैठक बुलाई गई है। इसके साथ ही, कांग्रेस कार्यसमिति ने शुक्रवार को 16-18 अप्रैल तक चलने वाले संसद के विशेष सत्र के लिए एक संयुक्त रणनीति पर भी फैसला किया। समिति ने 2026 की जनगणना और परिसीमन को आरक्षण के इस उपाय से अलग करने के कदम के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया। साथ ही, उसने बीजेपी पर जाति जनगणना को नाकाम करने की कोशिश करने और चुनाव प्रचार के दौरान संसद का संत्र रखकर तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल के चुनावों को प्रभावित करने का प्रयास करने का आरोप लगाया। ऐसी उम्मीद है कि विपक्ष सरकार के प्रस्ताव में संशोधन पेश कर सकता है।

कांग्रेस ने सरकार की आलोचना की : विशेष सत्र से एक हफ्ता पहले विपक्ष के साथ प्रस्तावित संशोधन साझा न करने के लिए सरकार की विशेष आलेचना की। मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने कहा कि सरकार राजनीति कर रही है। कहा जाता है कि सचिन पायलट ने यह तर्क दिया 'परिसीमन' को 2026 की जनगणना पर आधारित करने से ओबीसी महिलाओं के लिए एक उप-कोटा बनाने में मदद मिलेगी। मनीष तिवारी और मुकुल वासनिक ने कथित तौर पर यह तर्क दिया कि सरकार लोकसभा और विधानसभाओं में सीटों की संख्या तय नहीं कर सकती और फिर परिसीमन की मांग नहीं कर सकती।

कांग्रेस ने महिला आरक्षण का किया समर्थन : कुछ सदस्यों ने तर्क दिया कि कांग्रेस महिलाओं के लिए आरक्षण का समर्थन करती है, लेकिन 'जनगणना-परिसीमन- महिलाओं के लिए के लिए कोटा' की संवैधानिक प्रक्रिया के क्रम का पालन किया जाना चाहिए। जानकारी के अनुसार, सोनिया गांधी ने आगाह किया कि पार्टी को इस प्रस्ताव का विरोध करने हुए नहीं दिखना चाहिए।

फरीदाबाद में पानी वितरण का नया प्लान, निगम आयुक्त ने गर्मियों के लिए दिए सख्त निर्देश

फरीदाबाद, एजेंसी। गर्मियों को देखते हुए नगर निगम में पानी वितरण को लेकर संतुलन बनाने की तैयारी चल रही है। दिन में एक ही समय क्षेत्र में पानी की आपूर्ति की जाएगी। इसके लिए आयुक्त ने ऐसी कॉलोनियों और सेक्टरों की रिपोर्ट बनाने के लिए एसडीओ और जेई को निर्देश दिया है। इसके साथ उन कॉलोनियों की भी सूची बनाने के लिए कहा है। जहां पर रेनीवेल का पानी नहीं पहुंच रहा है। ऐसी जगहों पर टैंकर के माध्यम से मीठा पानी भिजवाया जाएगा। एक सप्ताह के भीतर जेई और एसडीओ को पूरी रिपोर्ट निगम आयुक्त के सामने पेश करना होगा।

पार्षदों और विधायकों के दबाव में कई जगह पर बूस्टर से सुबह और शाम पानी सप्लाई किया जाता है। जिसकी वजह से अन्य क्षेत्रों में पानी नहीं पहुंच पाता है। सदन की बैठक में एनआईटी के पार्षदों ने इस बात को लेकर हंगामा किया था।

गाजियाबाद में बिना सूचना और सहमति के पोस्टपेड से प्रीपेड कर दिया बिजली मीटर, खातों में चढ़ा दिया गलत मोबाइल नंबर

गाजियाबाद, एजेंसी। जिले में स्मार्ट मीटर व्यवस्था को पारदर्शी और उपभोक्ता-हितैषी बनाने के दावों के बीच अब उपभोक्ताओं की शिकायतें सामने आने लगी हैं। उपभोक्ताओं का आरोप है कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद विद्युत निगम ने बिना जानकारी दिए ही मीटरों को पोस्टपेड से प्रीपेड प्रणाली में बदल दिया। इससे उपभोक्ताओं को अचानक रिचार्ज व्यवस्था में जाना पड़ा और उन्हें स्थिति की जानकारी तक नहीं दी गई। उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड के अंतर्गत जिले में अब तक लगभग 2.80 लाख स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं। इनमें से 2.30 लाख से अधिक कनेक्शन प्रीपेड प्रणाली में परिवर्तित कर

दिए गए हैं। लेकिन उपभोक्ताओं का कहना है कि उन्हें न तो इसकी पूर्व सूचना दी गई और न ही उनकी सहमति ली गई। उपभोक्ताओं का आरोप है कि मीटर लगाने के बाद विद्युत कर्मियों ने सिस्टम में अपना मोबाइल नंबर दर्ज कर लिया। उसी नंबर पर आए ओटीपी के माध्यम से मीटर को प्रीपेड प्रणाली में सक्रिय कर दिया गया। उपभोक्ताओं को इसकी जानकारी तब हुई जब बिजली आपूर्ति रिचार्ज खत्म होने पर बाधित हो गई। उपभोक्ताओं का कहना है कि जब उन्होंने संबंधित अधिकारियों से शिकायत की तो उन्हें संतोषजनक जवाब नहीं मिला। एक ओर जहां स्मार्ट मीटर लगाने से पहले उपभोक्ता की अनुमति का नियम बताया जाता है, वहीं दूसरी ओर इस प्रकार की घटनाएं व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रही हैं। पोस्टपेड से प्रीपेड प्रणाली सक्रिय करने के समय ओटीपी अनिवार्य होता है।

उपभोक्ताओं तक नहीं पहुंच रही सूचनाएं : प्रीपेड स्मार्ट मीटर प्रणाली में उपभोक्ता के स्थान पर अन्य मोबाइल नंबर दर्ज हो जाने से रिचार्ज व बैलेंस संबंधी संदेश उपभोक्ताओं तक नहीं पहुंच पा रहे हैं। इससे उपभोक्ता को यह जानकारी ही नहीं मिलती कि बैलेंस समाप्त होने वाला है। परिणामस्वरूप बिना पूर्व सूचना के बिजली आपूर्ति बाधित हो रही है। उपभोक्ताओं का कहना है कि मोबाइल नंबर अपडेट की इस गड़बड़ी से उन्हें अनावश्यक परेशानी उठानी पड़ रही है।

उपभोक्ता भटकने को मजबूर : मोबाइल नंबर गड़बड़ी से बिजली घरों के चक्कर काट रहे उपभोक्ता स्मार्ट मीटर सिस्टम में गलत मोबाइल नंबर दर्ज हो जाने के बाद रिचार्ज और बैलेंस संबंधी संदेश उपभोक्ताओं तक नहीं पहुंचने से उपभोक्ता विद्युत कार्यालयों के चक्कर काटने को मजबूर हैं। लाइट कटने के बाद उपभोक्ता दर-दर की ठोकर खा रहे हैं।

साहिबाबाद के न्यायखंड-एक में सीवर ओवरफ्लो से जलभराव, आवागमन बाधित होने से लोग परेशान

साहिबाबाद, एजेंसी। न्यायखंड एक में सीवर और नाला ओवरफ्लो होने से शुक्रवार को सुपरटेक आइकन सोसायटी और मल्टी स्पोर्ट्स कांप्लेक्स के बाहर जलभराव हो गया। इससे आवागमन के दौरान लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। सुपरटेक आइकन सोसायटी के आरडब्ल्यूए अध्यक्ष मनोज ठाकुर ने बताया कि सीवर लाइन डाल दी गई है, लेकिन अभी उसे सोसायटी से कनेक्ट नहीं किया गया है। इस कारण सीवर लगातार ओवरफ्लो हो रहा है। नाला निर्माण कार्य भी चल रहा है। दो दिन से पंप खराब होने के कारण पानी की निकासी नहीं हो सकी। मल्टी स्पोर्ट्स कांप्लेक्स के पास नाला चोक है। इसके चलते शुक्रवार को सुपरटेक आइकन सोसायटी और मल्टी स्पोर्ट्स कांप्लेक्स के बाहर जलभराव हो गया। इससे आवागमन के दौरान लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। लोगों का सोसायटी से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। जलभराव के कारण सुपरटेक आइकन सोसायटी, जनता फ्लैट, पत्रकार विहार, वीथ्री एस, गौर ग्रीन विस्टा सोसायटी के निवासी मुसीबत झेल रहे हैं। नगर निगम जलकल विभाग के महाप्रबंधक केपी आनंद ने बताया कि मौके पर टीम को भेजकर समस्या का निस्तारण कराया जाएगा।

गुरुग्राम के रिहायशी इलाकों में कमर्शियल गतिविधियों पर सख्ती, एचएसवीपी ने 425 मकानों को भेजे नोटिस

नया गुरुग्राम, एजेंसी। ओल्ड गुरुग्राम के रिहायशी सेक्टरों में तेजी से बढ़ रही व्यावसायिक गतिविधियों पर अब हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) ने कड़ा रुख अपनाया है। नियमों के उल्लंघन पर कार्रवाई करते हुए विभाग ने करीब सवा चार सौ मकानों के मालिकों को कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं। साफ चेतावनी दी गई है कि यदि इन घरों में चल रही कमर्शियल गतिविधियां तुरंत बंद नहीं की गईं, तो न केवल आक्यूपशन सर्टिफिकेट (ओसी) रद होगा, बल्कि अलाटमेन्ट रद कर संपत्ति को जब्त करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी जाएगी। एचएसवीपी द्वारा किए गए सर्वे में सेक्टर-4, 5, 7, 7 एक्सटेंशन, 9, 9ए, 10, 10ए, 12ए, 14, 15 (पार्ट-1 व 2), 17, 21, 22 और 23 में बड़े स्तर पर नियमों का उल्लंघन सामने आया। जांच में पाया गया कि करीब 425 मकानों में व्यावसायिक गतिविधियां संचालित हो रही हैं, जो रिहायशी उपयोग के नियमों के

खिलाफ है। सबसे ज्यादा मामले पीजी संचालन से जुड़े हैं। करीब 40 प्रतिशत मकानों में पीजी चल रहे हैं, जबकि लगभग 10 प्रतिशत घरों में प्ले-स्कूल संचालित किए जा रहे हैं। इसके अलावा कई मकानों में प्रापर्टी डीलर के दफ्तर, क्लीनिक, ब्यूटी पार्लर, जिम और ट्यूशन सेंटर भी चल रहे हैं। इन गतिविधियों के चलते स्थानीय निवासियों को पार्किंग, शोर और भीड़ जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। सर्वे के आधार पर एचएसवीपी ने सभी संबंधित मकान मालिकों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि तय समय सीमा में संतोषजनक जवाब नहीं मिलने या गतिविधियां बंद न करने पर सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। एचएसवीपी के एसडीओ सर्वे अजमेर सिंह ने बताया कि रिहायशी मकानों में अवैध रूप से व्यावसायिक गतिविधियां संचालित की जा रही थीं। सर्वे के बाद संबंधित मकान मालिकों को नोटिस जारी किए गए हैं। यदि गतिविधियां बंद नहीं की गईं तो एचएसवीपी अधिनियम, 1977 के तहत आक्यूपशन सर्टिफिकेट रद कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नोएडा एयरपोर्ट संचालन में फंसा पेंच, अड़चन दूर करने के लिए 20 अप्रैल को मंथन करेंगे बोर्ड के सदस्य

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के सुरक्षा प्रोग्राम को नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो से स्वीकृति को लेकर पेंच अभी तक फंसा हुआ है। इस बीच यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्रा. लि. यापल के बोर्ड सदस्य 20 अप्रैल को एकत्र होकर नोएडा एयरपोर्ट का निरीक्षण करेंगे। इस दौरान एयरपोर्ट सुरक्षा प्रोग्राम की स्वीकृति को लेकर आड़े आ रहे नियमों पर भी चर्चा होने की संभावना है। सुरक्षा प्रोग्राम को स्वीकृति के बाद ही नोएडा एयरपोर्ट से विमान सेवा शुरू होंगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 28 मार्च को नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का उद्घाटन कर चुके हैं, लेकिन विमान सेवा संचालन के लिए अभी तक तारीख घोषित नहीं हुई है। लोग इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

अधिकारियों के मुताबिक, नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट शत प्रतिशत एफडीआई परियोजना है। इसे देखते हुए सीईओ पद पर भारतीय नागरिक की नियुक्ति के नियम में बदलाव के लिए केंद्र सरकार के स्तर पर बदलाव होने की संभावना है, अगर यह बदलाव नहीं होता है तो सीईओ पद पर किसी भारतीय की नियुक्ति होने पर भी सुरक्षा प्रोग्राम को स्वीकृति मिल सकती है। बोर्ड सदस्यों के बीच इस पर चर्चा होने की संभावना है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से शुरुआत में घरेलू विमान सेवा शुरू करने की तैयारी है। देश के प्रमुख शहरों के लिए यहां से विमान सेवा उपलब्ध होगी। साल के अंत तक एयरपोर्ट से अंतरराष्ट्रीय विमान सेवा भी शुरू हो जाएगी। इसके लिए एयरपोर्ट संचालक कंपनी के अलावा एयरलाइंस भी अपनी तैयारी में जुटी हुई हैं। अंतरराष्ट्रीय टर्मिनल के बचे हुए शेष कार्य को तेजी से पूरा किया जा रहा है।

20 अप्रैल को एयरपोर्ट के निरीक्षण के लिए आएंगे बोर्ड के सदस्य

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के निर्माण एवं संचालन के लिए ज्यूरिख एयरपोर्ट इंटरनेशनल एजी ने स्पेशल परपज व्हीकल कंपनी का गठन किया था। ज्यूरिख एयरपोर्ट इंटरनेशनल एजी के सदस्यों के अलावा यमुना प्राधिकरण के सीईओ व निदेशक नागरिक उड्डयन विभाग इस कंपनी के बोर्ड में निदेशक के तौर पर शामिल हैं। 20 अप्रैल को बोर्ड के सदस्य एयरपोर्ट के निरीक्षण के लिए आएंगे। इस दौरान एयरपोर्ट को नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो से सुरक्षा प्रोग्राम को स्वीकृति मिलने में आ रही अड़चन पर भी चर्चा होने की संभावना है। दरअसल यापल के सीईओ विदेशी नागरिक हैं, जबकि सुरक्षा प्रोग्राम को स्वीकृति देने के लिए सीईओ का भारतीय नागरिक होना अनिवार्य शर्त है।

फरीदाबाद विकास प्राधिकरण की नई योजना पर काम शुरू, माइक्रो एसटीपी से बुझेगी पार्कों की प्यास

फरीदाबाद, एजेंसी। अब ग्रीनबेल्ट व पार्कों में एसटीपी से साफ हुए पानी से सिंचाई होगी। फरीदाबाद महानगर विकास प्राधिकरण की शहर में 12 माइक्रो एसटीपी लगाने की योजना पर धरातल पर काम शुरू होने वालाा है। एसटीपी बनाने के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी है। जल्द एक एजेंसी फाइनल कर इसे वर्क अलॉट किया जाएगा। याद रहे कि मंत्री बनने के बाद विपुल गोयल ने इस परियोजना को बनाने के लिए कहा था। लेकिन सालभर से अधिक समय होने के बाद भी परियोजना कागजों में रही। वहीं, पिछले दिनों मंत्री ने अधिकारियों से इस परियोजना की अपडेट जानकारी ली। इसके बाद जल्द काम शुरू कराने के लिए कहा। वैसे इस परियोजना का मकसद पेयजल आपूर्ति की बचत करना था और सीवर के साफ पानी से पार्क व ग्रीनबेल्ट की सिंचाई करना है। प्राधिकरण द्वारा 12 माइक्रो एसटीपी लगाए जाने हैं। इन एसटीपी से सेक्टर-9, 10, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 29, 30, 31, 32, 34, 35 और 37 के पार्क व ग्रीनबेल्ट कनेक्ट होंगे। यानी पार्क के अंदर 500 किलोलीटर प्रतिदिन क्षमता वाला एसटीपी बनया जाएगा। जिसके पानी से सेक्टरों में हरियाली रहेगी। फिलहाल पार्क व ग्रीनबेल्ट में सिंचाई के लिए पेयजल का प्रयोग किया जाता है। इसका सीधा असर भूजल स्तर पर पड़ रहा है। साथ ही मांग व आपूर्ति में अंतर बढ़ता जा रहा है।

गुरुग्राम की प्यास बुझाएगा 1500 क्यूसेक पानी, वाटर सप्लाई चैनल की होगी रिमॉडलिंग

गुरुग्राम, एजेंसी। गुरुग्राम वाटर सप्लाई चैनल के निर्माण कार्यों की समीक्षा शुक्रवार को चंडीगढ़ में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने की। उन्होंने निर्माण कार्य तेज गति से पूरा करने का निर्देश दिया ताकि लोगों को निश्चित समय में पर्याप्त मात्रा में पेयजल सुलभ हो सके। इसके निर्माण के बाद जिले में वाटर सप्लाई की कमी नहीं रहेगी। सोनीपत के काकरोई हैड से बसई जल घर तक बनने वाले इस चैनल से गुरुग्राम को 686 क्यूसेक पानी मिलेगा, जो आगामी 2050 तक की आबादी को पर्याप्त मात्रा में सुलभ हो सकेगा। लगभग 70 किलोमीटर लंबाई के इस चैनल के निर्माण पर लगभग 1993 करोड़ रुपये से अधिक की राशि व्यय की जाएगी। इस कार्य में पूर्ण रूप से अंडरग्राउंड पाइपलाइन बिछाई जाएगी ताकि पानी की शुद्धता को बरकरार रखा जा सके। मुख्यमंत्री ने रिमोडलिंग आफ गुरुग्राम वाटर सप्लाई चैनल की

स्टेडिंग फाइनेंस कमेटी की बैठक की अध्यक्षता करते हुए अधिकारियों से कहा कि इस सप्लाई चैनल की क्षमता को बढ़ाकर एक हजार क्यूसिक की जाए ताकि इसका लाभ ओर अधिक आबादी को अधिक समय तक मिलता रहे। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को अवगत करवाया कि गुरुग्राम को 500 क्यूसिक पानी सप्लाई एनसीआर कैनाल से किया जाएगा। इस प्रकार गुरुग्राम को आगामी वर्षो में 1500 क्यूसिक पानी की सप्लाई होगी। इसके अलावा मेवात क्षेत्र के लिए भी 389 क्यूसिक पेयजल का अलग से प्रावधान किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पेयजल सप्लाई प्रोजेक्ट का कार्य अढाई साल में पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसकी लगातार मोनिटरिंग की जाए और इस कार्य को लक्ष्य से लगभग तीन माह पहले पूरा कर लिया जाए।

गुरुग्राम की आबादी लगातार बढ़ रही है। पूरी आबादी को निर्बाध रूप से स्वच्छ पेयजल सुलभ करवाना हरियाणा सरकार का दायित्व एवं जिम्मेवारी है। अंडरग्राउंड बिछाई जाने वाली इस पेयजल पाइपलाइन पर सोलर पैनल लगाने का भी प्रविधान किया जाए ताकि सौर ऊर्जा से बिजली सुलभ हो सके।

इसके अलावा गुरुग्राम वाटर सप्लाई चैनल से मिलने वाले पानी का उचित डिस्ट्रीब्यूशन सुनिश्चित करने के लिए वाटर ट्रीटमेंट प्लांट बनाने के लिए भी जगह का चयन कर लिया जाए ताकि उन पर जल्द कार्य शुरू करवाया जा सके।

बैठक में उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह, सिंचाई मंत्री श्रुति चौधरी, मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर, मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरुण गुप्ता, अतिरिक्त मुख्य सचिव अनुराग अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

दिल्ली के सरकारी अस्पतालों में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल, जीबी पंत हॉस्पिटल को मिला नया मेडिकल डायरेक्टर

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ने राजधानी के प्रमुख सरकारी अस्पतालों में प्रशासनिक स्तर पर महत्वपूर्ण बदलाव करते हुए कई वरिष्ठ डाक्टरों के तबादले और नई नियुक्तियों के आदेश जारी किए हैं। यह आदेश उपराज्यपाल की मंजूरी के बाद तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। जारी आदेश के अनुसार डा. पूजा सखुजा को गोविंद बल्लभ पंत अस्पताल का मेडिकल डायरेक्टर नियुक्त किया गया है, अभी तक यह पदभार अतिरिक्त प्रभार के तौर पर लोकनायक अस्पताल के मेडिकल डायरेक्टर डा. बीएल चौधरी संभाल रहे थे। वहीं डा. ज्योति सचदेवा को

सरदार वल्लभभाई पटेल अस्पताल का मेडिकल सुपरिंटेंडेंट बनाया गया है। इसके अलावा डा. पूनम को डीडीयू अस्पताल से स्थानांतरित कर एनसी जोशी मेमोरियल अस्पताल में मेडिकल सुपरिंटेंडेंट की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

नहीं दिया जाएगा अतिरिक्त पारिश्रमिक : स्वास्थ्य विभाग ने स्पष्ट किया है कि इन अधिकारियों को नई जिम्मेदारी के लिए कोई अतिरिक्त पारिश्रमिक नहीं दिया जाएगा। साथ ही, सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे अपने वर्तमान पद से तत्काल कार्यमुक्त होकर नई तैनाती स्थल पर बिना किसी देरी के कार्यभार संभालें। आदेश में यह भी चेतावनी दी गई है कि निर्देशों का पालन न करने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।